वेबसाइट
www.eklavya.in

स्रोत
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

जुलाई 2008
वर्ष-2 अंक-6(पूर्णांक 234)

संपादक
सुशील जोशी

प्रबंध संपादक
राजेश उत्साही

सहायक संपादक
अफसाना पठान

उत्पादन सहयोग
इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर
राकेश खत्री कमलेश यादव

आवरण चित्रः जितेंद्र ठाकुर

वार्षिक चंदा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-10,शंकर नगर,
बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर,
भोपाल (म.प्र.) 462 016

फोनः 0755 - 255 0976
0755 - 267 1017
ई-मेलःsrote@eklavya.in

बचपन का मोटापा ज़्यादा खतरनाक है		2
फैल रहे हैं समुद्री रेगिस्तान		3
रक्त के विकल्प की नई आशा		4
तारा नष्ट होते देखा गया		4
दूध की बोतल को उबालने से पहले सोचें		5
खटकने लगा है गरीब का खाना	प्रमोद भार्गव	6
कितनी तीखी है यह मिर्च		8
आविष्कारक की जवाबदेही का सवाल	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	9
मृत्यु पर जीवन की विजय है पक्षी प्रवास	विश्वमोहन तिवारी	11
जैव ईंधन की दूसरी पीढ़ी पर नज़र		16
विज्ञान शिक्षण में बदलाव की ज़रूरत	डॉ. एन. पंचापकेसन	17
16 फीसदी अमेरिकी शिक्षक डार्विन को नहीं मानते		21
इलेक्ट्रॉनिक कचरा या संसाधन?	विधि गुप्ता, पारुल लौल, सुधीर स्याल	22
फसलों पर ग्रीन हाउस का असर		23
क्लिनिकल ट्रायलः मानव अधिकार का सवाल	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	24
पिघलता गंगोत्रीः क्या गंगा अक्षुण्ण रहेगी?	डॉ. चन्द्रशीला गुप्ता	26
डार्विन, चिकित्सा विज्ञान और एंटीबायोटिक प्रतिरोध	डॉ. पी. बालाराम	29
धूम्रपान के फैसले झुंड में होते हैं		32
नदियों की बिक्री	डॉ.राम प्रताप गुप्ता	33
कंपनियों की गिरफ्त में डॉक्टर	सुनील	35
क्या बंदर हमारी मंशा को समझ सकते हैं		

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।